संपादकीय

बचपन बचाने के लिए

दुनिया में सबसे ज्यादा बच्चों की जनसंख्या वाले देशों में शुमार भारत की सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने समाज के सबसे कीमती संसाधन का दुरुपयोग और शोषण होने से बचाए। इंटरनेट के चलते वैश्विक परिवर्तनों और खुले परिवेश वाले सामाजिक ढांचे में बच्चों को एक अंतहीन जोखिम से बचाने के लिए सरकार ने अनुच्छेद 15 के बाल यौन शोषण संरक्षण (पॉक्सो) संबंधी प्रावधानों में परिवर्तन करने का प्रस्ताव रखा है। कानून मंत्रालय व महिला और बाल विकास मंत्रालय के इस संशोधन पर बेहद गंभीर रुख़ अपनाने की ज़रूरत है कि बच्चों से संबंधित अश्लील साहित्य, चित्र, फिल्में और सीरियल बनाने, वितरित करने और उन्हें उत्साहित करने के अपराध को गैर जमानती अपराध घोषित किया जाए। इस तरह के अपराधों में लिप्त लोगों को 5 वर्ष की जेल, आर्थिक दंड या दोनों लगाए जाएंगे। अपराध की पुनरावृत्ति पर 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसका प्रयोग व्यावसायिक रूप में करने वालों के लिये सख्त सजा है। जो लोग इनके बारे में जानते हुए भी कोई रिपोर्ट नहीं करते, वे भी सजा के हकदार होंगे। ये नियम स्वागतयोग्य हैं।

वर्तमान में अनुच्छेद 15 के 2012 के अधिनियम में अधिकतम सजा 3 वर्ष है। लगभग 24 प्रतिशत बच्चे जो इस तरह के अपराधों के शिकार होते हैं, उनमें से अधिकांश अपने किसी परिचित, विश्वसनीय, किसी रिश्तेदार, स्कूल या फिर संरक्षण गृह में ही यौन शोषण का शिकार होते हैं। एक जागरूक समाज इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। लिहाज़ा त्वरित कार्रवाई और सख्त कानून जरूरी था। पॉक्सो से पूर्व सिर्फ गोवा बाल संरक्षण अधिनियम 2003 ही कानूनी अधिनियम था जो बाल यौन शोषण के खिलाफ था। ऐसे में शक्ति शाली और व्यावहारिक कानून जो कि आईपीसी की धाराओं में उपस्थित ढीलेपन को सख्ती से नियंत्रित करे, की आवश्यकता थी। इन कानूनों का सख्ती से पालन हो। यहां तक कि व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्म पर इस तरह के चित्र और वीडियो भी इस नियम के अंतर्गत आने चाहिए। समाज भी बच्चों का बचपन सुरक्षित बनाये।

अगर आप चेक से लेन-देन करते हैं तो जानिये ये चेक अगले महीने से होंगे बेकार

नई दिल्ली। अगर आप अभी भी चेक से लेन-देन करते हैं तो यह खबर आपके लिए है क्योंकि अगले महीने से ये चेक बेकार हो जाएंगे. कई बैंकों ने चेक बुक सरेंडर करने और नई चेक बुक जारी करने के लिए अपने ग्राहकों को मैसेज भेजना भी शुरू कर दिए हैं जिसके मुताबिक नॉन सीटीएस चेक बुक अगले महीने से स्वीकार नहीं किए जाएंगे. इस संबंध में हर बैंक की अलग-अलग डेडलाइन है. बैंक, आरबीआई के निर्देश के अनुसार ऐसा कर रहे हैं. बैंक दे रहे हैं नई चेक बुक-

आरबीआई ने करीब 3 माह पहले बैंकों को निर्देश देते हुए कहा था कि 1 जनवरी 2019 से नॉन सीटीएस चेक बुक का प्रयोग पूरी तरह से बंद करें. आरबीआई के निर्देश के पालन में बैंक ऐसे चेक को लेना पूरी तरह से बंद करने जा रहे हैं. बैंक अपने ग्राहकों को पुरानी चेक बुक सरेंडर करके नई चेक बुक लेने की सलाह दे रहे हैं.

एसबीआई ने तय की 12 दिसंबर की डेडलाइन-

नॉन-सीटीएस चेक बुक बंद किए जाने की डेडलाइन वैसे तो 31 दिसंबर है लेकिन एसबीआई ने ग्राहकों को भेजे संदेश में कहा है कि 12 दिसंबर से वह इस तरह के चेक स्वीकर नहीं करेगा. अगर आप एसबीआई के कस्टमर हैं तो अपनी नई चेक बुक मंगा लें.

पंजाब नेशनल बैंक ने भी तय की डेडलाइन -

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने ग्राहकों से बिना सीटीएस (चैक ट्रंकेशन सिस्टम) वाले चेक वापस कर उसकी जगह नया चेक लेने को कहा है. बैंक जनवरी से बिना सीएसटी वाला चेक स्वीकार नहीं करेगा. पीएनबी ने अधिसूचना जारी कर कहा है कि बिना सीटीएस सुविधा का चेक 1 जनवरी 2019 से क्लीयरेंस के लिए नहीं लिया जाएगा. बैंक ने ग्राहकों से बिना सीटीएस सुविधा के चेक की जगह दूसरा चेक लेने को कहा है.

सीटीएस चेक से मिल सकती है बेहतर सुविधा-

दरअसल, सीटीएस में चेक को भुनाने का काम जल्दी होता है. इस व्यवस्था में चेक के क्लीयरेंस के लिए एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाने की जरूरत नहीं होती. इसके क्लीयरेंस के लिए सिर्फ केवल इलेक्ट्रानिक कॉपी पेश की जाती है. इससे ग्राहकों को बेहतर सुविधा भी मुहैया करवाई जा सकती है.

मुंबई में स्किल इंडिया के तहत 1000 लोगों मिला रोजगार

नई दिल्ली। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी चलते अब मुंबई में आयोजित स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत एक हजार से अधिक युवाओं रोजगार दिए गए हैं. गौरतलब कि इस मेले में 75 से अधिक कार्पोरेट कंपनियां शामिल हुई थीं. मेले में 4,000 से अधिक स्किल सीकर्स और जॉब एस्पिरेंट्स ने उपस्थिति दर्ज कराई. स्किल इंडिया रोजगार मेले का आयोजन घाटकोपर के आरके कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के प्रागंण में किया गया था.नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित स्किल इंडिया रोजगार मेले में कई युवाओं को कार्पोरेट कंपनी में नौकरी का अवसर मिला.

आपको बता दें कि टेक महिन्द्रा, रैंडस्टैड, रिलायंस रिटेल, कोटक लाइफ इंश्योरेंस जैसी प्रमुख कंपनियों ने इस इवेंट में हिस्सा लिया था.बता दें, एक हजार के से अधिक उम्मीदवारों को सेल्स एक्जीक्यूटिव, वेयरहाउस एक्जीक्यूटिव, रिटेल ट्रेनी एसोसिएट, कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव, ब्यूटी थैरेपिस्ट, सेल्स ऑफिसर और बैंक सेल्स मैनेजर जैसी नौकरी के लिए चुना गया.

पेट्रोल 8 महीने में सबसे सस्ता, डीजल की कीमतें भी नीचे आईं

नई दिल्ली। इंटरनेशनल मार्केट में पेट्रोल और डीजल की कीमत कम होने का फायदा घरेलू बाजार में भी मिल रहा है.

पेट्रोल और डीजल की कीमत में राहत मिलने का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा. शुक्रवार को दिल्ली में डीजल के दाम में 41 पैसे की कटौती हुई और पेट्रोल में 37 पैसे प्रति लीटर की कटौती हुई. इस तरह शुक्रवार को पेट्रोल का रेट 72.87 रुपये प्रति लीटर रहा और डीजल 67.72 के स्तर पर पहुंच गया. इस तरह पिछले छह हफ्ते में पेट्रोल के दाम में 9.96 रुपये और डीजल में 7.97 रुपये की कटौती हुई है.

वॉट्सऐप ने आपने यूजर्स के लिए दो नए फीचर्स किया लॉन्च

नई दिल्ली। वॉट्सऐप ने इस साल अपने यूजर्स को कई नए फीचर्स दिए हैं। इन फीचर्स ने जहां एक तरफ वॉट्सऐप को पहले से बेहतर बनाया है, वहीं दूसरी तरफ इन नए फीचर्स से यूजर्स के चैट करने का अंदाज भी बदला है। वॉट्सऐप ने नए फीचर देने कि अपनी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यूजर्स के लिए दो नए फीचर्स Consecutive Voice Messages और Group Call Shortcut को लॉन्च किया है। कन्जेक्युटिव वॉइस मेसेज फीचर के जरिए यूजर वॉट्सऐप पर आए वॉइस मेसेजेस को एक क्रम में सुन सकेंगे। इसके अलावा ग्रुप कॉल करने के लिए वॉट्सऐप अब एक

शॉर्टकट बटन उपलब्ध करा रहा है, जिसके जरिए यूजर पहले के मुकाबले बड़ी आसानी से ग्रुप कॉल कर सकेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक वॉट्सऐप के ये दो नए फीचर्स फिलहाल ऐंड्रॉयड यूजर्स के लिए है, जो वॉट्सऐप का बीटा वर्जन इस्तेमाल कर रहे है। बता दें कि वॉट्सऐप ने ये फीचर्स आईओएस के लिए कुछ दिन पहले ही जारी कर दिए थे।

बात अगर वॉट्सऐप कन्जेक्युटिव वॉइस मेसेजेस की करें तो इस फीचर के जरिए यूजर वॉट्सऐप पर आए वॉइस मेसेजेस को एक के बाद सुन सकेंगे। पहले जब कोई वॉइस मेसेज आता था तो यूजर को हर मेसेज को प्ले करके सुनना होता था, लेकिन अब इस नए फीचर की बदौलत यूजर्स को सिर्फ पहले वॉइस मेसेज को प्ले करना होगा इसके बाद अगले सभी वॉइस मेसेजेस एक क्रम में ऑटोमैटिकली प्ले होते रहेंगे।

आज का राशिफल

मेषः परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने से कष्ट होगा। निरर्थक खर्च से बचें। मन चिंताग्रस्त रह सकता है। प्रवास-पर्यटन न करने की गणेशजी सलाह देते हैं। शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा।

वृषभः कार्य में सफलता मिलेगी। प्रतिस्पर्धियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपको मान-सम्मान मिलेगा। दोपहर बाद झगड़े का वातावरण बना रहेगा।

मिथुनः प्रातः काल मन ोधित रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है। व्यर्थ धन का व्यय होगा। विद्यार्थियों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। आर्थिक लाभ होगा।

कर्कः आज आप कुछ अधिक ही संवेदनशील रहेंगे। स्नेहीजनों और मित्रों से भेंट होगी। दोपहर बाद परिजनों के साथ बोलचाल में उग्रता आ जाने से आपका मन व्यथित होने की संभावना है।

सिंहः वाणी और वर्ताव में पूर्ण संयम रखना पड़ेगा। आमदनी की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। दोपहर बाद का समय आपके लिए अनुकूल हो जाएगा।

कन्याः व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ होगा। सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। मित्र वर्ग के लिए जो व्यय होगा वह लाभप्रद रहेगा। प्रवास या पर्यटन भी होगा। दोपहर बाद आपका मन अनिश्चितता में उलझा रहेगा।

तुलाः आज का दिन आपके लिए शुभ है। विविध क्षेत्रों से लाभ मिल सकता है। अधिकारियों की तरफ से आपको प्रोत्साहन मिलेगा। पदोन्नति के योग हैं। प्रियपात्र व मित्रों के साथ मुलाकात होगी।

वृश्चिकः धार्मिक यात्रा और देव दर्शन का लाभ मिल सकता है। विविध क्षेत्रों में लाभ मिलने की संभावना है। विदेश गमन के लिए परिस्थिति अनुकूल होगी। अधिकारियों को आपके कार्य से प्रसन्नता हो सकती है।

धनुः क्रोध पर संयम बनाए रखें। परिजनों से वाद-विवाद न करें। दोपहर बाद आपकी शारीरिक और मानसिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है। पारिवारिक कठिनाइयां भी कम होंगी। मित्रों के साथ भेंट होने से आनंद होगा।

मकरः साझेदारी के व्यपार से लाभ होगा। लेकिन दोपहर बाद आपके लिए समय प्रतिकूल है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप अस्वस्थ महसूस कर सकते हैं।

कुंभः आज का दिन पूर्ण रूप से शुभ फलदायी होगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यवसाय करनेवालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। मनोरंजक प्रवृत्ति में आप व्यस्त रहेंगे।

मीनः स्वास्थ्य नरम रहेगा। किसी कारणवश आकस्मिक धन खर्च होगा। दोपहर बाद घर में आनंद और शांति का वातावरण बन जाएगा। कार्य में यश-कीर्ति मिलेगी। परिजनों के साथ समय आनंद पूर्वक बिताएंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ होगा।

देवी-देवताओं के वाहन हमेशा पशु-पक्षी ही क्यों होते हैं ?

हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के वाहनों की बात करें तो भोलेनाथ का नंदी, मां दुर्गा का शेर, भगवान विष्णु के गरुढ़, इंद्र का ऐरावत हाथी, मां सरस्वती का हंस तथा भगवान गणपति का वाहन मूषक, कार्तिकेय का वाहन मोर है। इस प्रकार देखा जाए तो हर देवी-देवता का वाहन कोई ना कोई पशु-पक्षी अवश्य है।

अब आप यह सोच रहे होंगे कि सर्वशक्तिमान देवी-देवताओं को आखिर पशु-पक्षियों से ही सवारी क्यों करनी पड़ी। जबकि वह अपनी शक्ति से किसी भी क्षण कहीं भी जा सकते हैं। दोस्तों, देवी-देवताओं को पशु-पक्षियों से जोड़ने के पीछे कई आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और व्यवहारिक कारण हैं।

बतौर उदाहरण भगवान शंकर का दूसरा नाम भोलेनाथ भी है। लेकिन वही शिव जब क्रोधित हो जाते हैं तब किसी का भी संहार कर सकते हैं। ठीक उसी प्रकार उनका वाहन नंदी भी सीधा-साधा होता है। लेकिन क्रोध में आने पर वह किसी के काबू में नहीं आता है।

मां दुर्गा तेज, शक्ति और सामर्थ्य की प्रतीक हैं। उनकी सवारी शेर है। मां दुर्गा की तरह शेर भी शक्ति का प्रतीक माना गया है। भगवान गणपति का वाहन मूषक है। जिस प्रकार से भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा गया है, उसी प्रकार मूषक भी अपने उपर आने वाली समस्यों को धीरे-धीरे कुतर डालता है।

इसके पीछे दूसरा मुख्य कारण यह भी है कि पशु-पक्षियों को भगवान से जोड़े के कारण उनके खिलाफ हिंसा नहीं हो सकती है। शायद अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो अब तक पृथ्वी से इनका अस्तित्व भी खत्म हो चुका होता। हर देवी-देवता से किसी ना किसी पशु-पक्षी को जोड़कर भारतीय मनीषियों ने प्रकृति और जीवों की रक्षा संदेश दिया है।

मेरे जीवन के सबसे बुरे दिनों में से एक : मिताली

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय महिला वनडे क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने मुख्य कोच रमेश पोवार द्वारा लगाए गए आरोपों पर निराशा जताते हुए कहा कि यह उनके जीवन के

सबसे बुरे दिनों में से एक है। महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल से उठे विवाद ने अब आरोप-प्रत्यारोपों का रूप ले लिया है और यह विवाद बड़ा रूप लेता जा रहा है। कोच पोवार ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को महिला टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम के प्रदर्शन पर जारी रिपोर्ट में मिताली पर कोचों पर दबाव डालने और उन्हें ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं, जिसकी प्रतिक्रिया में मिताली ने निराशा जाहिर करते हुए इसे अपने जीवन के सबसे बुरे दिनों में से एक बताया और कहा कि उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाए गए हैं। मिताली ने गुरुवार को अपने ट्वीट में कहा, मुझ पर लगे आरोपों से मैं बहुत दुखी और निराश हूं। खेल के प्रति मेरी प्रतिबद्धिता और 20 साल के मेरे पेशेवर करियर पर आरोप लगे हैं। मेरी कड़ी मेहनत जाया चली गई। भारतीय महिला टीम की अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, आज मेरी देशभक्ति पर शक किया गया है और मेरे कौशल पर सवाल खड़े हुए हैं।

'भारत को सीरीज जीतनी है, तो ओपनरों को खेलनी पड़ेगी बड़ी पारी'

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है. सीरीज से पहले ही विराट कोहली की सेना को लेकर पूर्व कंगारू दिग्गजों से बयान देने शुरू कर दिए हैं. ऑस्ट्रेलिया को अपनी कोचिंग में 2003 और 2007 का वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कंगारू कोच जॉन बुकानन ने भारतीय टीम के ओपनिंग कॉम्बिनेशन को लेकर बड़ा बयान दिया है. भारतीय टीम को इस टेस्ट सीरीज में फेवरेट माना जा रहा है. जॉन बुकानन ने कहा- भारतीय टीम की ओपनिंग जोड़ी पर उनकी सफलता निर्भर करती है. भारत को जीतनी है सीरीज, तो उनके ओपनरों को ज्यादा से ज्यादा रन बनाने होंगे.

बुकानन ने कहा कि भारतीय टीम की सफलता उनके सलामी

बल्लेबाजों पर निर्भर करती है. जॉन बुकानन ने कहा कि 'भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज जीतने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिले हैं.बुकानन ने कहा कि भारतीय टीम को ये सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वो टेस्ट सीरीज के लिए अच्छे से तैयार हैं. ताकि वो जब भी पहले और दूसरे टेस्ट मैचों में खेलने उतरें तो उन्हें लगे कि वो इन मैचों को आकर्षित करने के लिए मजबूत स्थिति में हैं.'बुकानन ने कहा कि 'मुझे लगता है कि फिलहाल दुनियाभर में आंकड़े बताएंगे कि ये दौरे पर कोई बाहर की टीम अपने घर से दूर जीत सकती है. इसलिए ये बात निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में काम कर सकती है. और वो भारत के खिलाफ सीरीज को जीत सकता है.'

भारतीय टीम मैनेजमेंट ने इस बार सलामी बल्लेबाज के रूप में पृथ्वी शॉ, मुरली विजय और केएल राहुल को रखा है, लेकिन शॉ के चोटिल होने पर केएल राहुल और मुरली विजय पहले टेस्ट में भारत के लिए पारी की शुरुआत करेंगे.

ऐसे बनाइए शिमला मिर्च की सब्जी

आपने अब तक आलू डालकर तो शिमला मिर्च की सब्जी कई बार बनाई होगी पर क्या कभी सिर्फ शिमला मिर्च की सब्जी बनाई है? जान लीजिए कि इसका स्वाद भी किसी से कम नहीं लगता.

एक नज़र

रेसिपी क्विजीन : इंडियन

कितने लोगों के लिए : 2 4

समय : सिर्फ 20 मिनट

मील टाइप : वेज

आवश्यक सामग्री

दो शिमला मिर्च (टुकड़ों में कटी हुई)

आधा छोटा चम्मच कलौंजी

दो हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)

आधा छोटा चम्मच हल्दी

एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर

आध छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर

एक चौथाई छोटा चम्मच अमचूर

नमक स्वादानुसार

तेल जरूरत के अनुसार

पानी आवश्यकतानुसार

विधि-

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में तेल गरम करने के लिए रखें.

तेल के गरम होते ही कलौंजी और हरी मिर्च डालकर कड़छी से चलाते हुए भूनें.

मिर्च के चटकते ही शिमला मिर्च डालें.

अब हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें.

पानी डालकर 4 से 5 मिनट तक ढककर पकाएं.

तय समय के बाद आप देखेंगे कि शिमला मिर्च सॉफ्ट हो चुकी है.

अमचूर डालकर चलाएं और 2-3 मिनट बाद आंच बंद कर दें.

तैयार है शिमला मिर्च की सब्जी. रोटी या नान के साथ सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-03

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

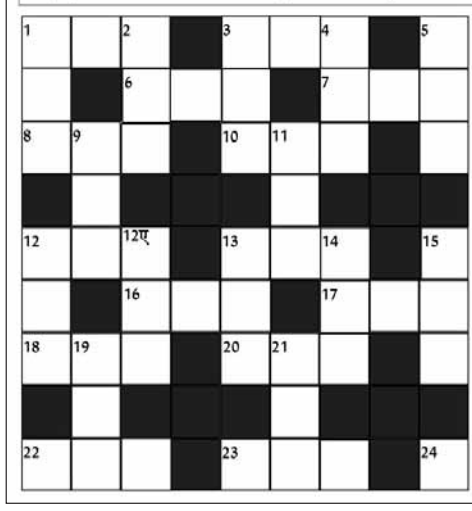

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 02 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू-03

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.02 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6